KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES

BY–AMARENDRA SRIVASTAV SIR

मौर्य कालीन अर्थव्यवस्था

शेष भाग - - -

* अर्थव्यवस्था
  - कृषि (Agriculture) — प्रमुख आधार — Main Base
  - उद्योग (Industry)
  - व्यापार (Trade)

* भूमि पर कर = $\frac{1}{4}$ to $\frac{1}{6}$
(Land Tax)

- राजकीय भूमि से प्राप्त आय "सीता" कहते थे।
  - Sita
  - Income from Goverment Land.
  - देखरेख :- सीताध्यक्ष (Sitadhyaksha)
- समाहर्ता (Samaharta) → Tax collection. (कर संग्रहण)

- कर (Tax) :- भाग (Bhaga) :- Land Revenue Tax
  (भू-राजस्व कर)
  भूमिकर
  1/6

- बलि (Bali) :- उपकर जो कि भाग के अतिरिक्त

- प्रणय (Pranaya) :- आपातकालीन कर
  (Emergency Tax)

* उदकभाग (Udakabhaga) :- सिंचाई कर (Irrigation Tax)

* सेतु (Setu) :- फल-फूल पर लगने वाला कर

* उत्संग कर (Utsanga Tax) :- राजा को भेंट स्वरूप दिया जाता था।

* विवित कर (Vivita Tax) :- पशुओं की सुरक्षा के लिए कर

* बिक्री कर (Sale Tax) :- देशी वस्तुओं पर 4% और विदेशी वस्तुओं 10%

-: अन्य कर :- → भवन पर कर (House Tax)
→ जल पर कर (water Tax)

→ नगर
↓
अर्थशास्त्र के अनुसार

* मेगस्थनीज ने कर न चुकाने वाले को मृत्युदण्ड देने की बात कहता है।

* खेत का प्रकार (Type of field)
→ Krishta (कृष्ट) :- जोती हुयी भूमि (Plowed Field)
→ AKrishta (अकृष्ट) :- बिना जोती हुयी भूमि (without plowed field)

- देवमातृक (Devamatraka) :- कृषि वर्षा पर आधारित (Agriculture based on Rainfall)

- अदेवमात्रक (Adevamatraka) → कृषि बिना वर्षा के होती थी। (Agriculture without rainfall)

- (UPSC) कौटिल्य ने चावल के दो किस्म "दारक" और "वारक" की चर्चा करता है।

→ कौटिल्य ने ईख की खेती को निकृष्ट माना क्योंकि इसमें परिश्रम और व्यय दोनों अधिक लगता है।

* व्यापार (Trade) → आंतरिक (Internal)
→ वाह्य (External)

* व्यापारिक मार्ग (Trade Route):- स्थलीय मार्ग (Land Route)
जलीय मार्ग (Water Route)

UPSC

* कौटिल्य ने जलीय मार्ग अधिक सुरक्षित होता था।
(Waterway - Safe)

* बाह्य व्यापार (External Trade) :-

- West :- Taxila ⟶ Bactria / Iran / Greek.
- East :- South East Asia.

* Export :- (निर्यात)

- Elephant Teeth. (हाथी दांत)
- Indigo (नील)
- Cotton (कपास)
- etc.

- Import (आयात) :- विलासिता की वस्तुएँ
  - मदिरा (wine)
  - etc.

* अर्थशास्त्र के अनुसार :- सूती वस्त्र केंद्र
  - काशी (Kashi)
  - वत्स (Vatsa)
  - बंग (Banga)
  - कलिंग (Kalinga)
  - मालवा (Malwa)

Mauryan Society (मौर्यकालीन समाज)

↳ Male based Society (पुरुष आधारित समाज)

↳ पितृसत्तात्मक (Patriarchal)

* वर्ण व्यवस्था (Varna System) :- Yes

↳ Brahmin

↳ Kshatriya

↳ Vaishya

↳ Shudra.

* महिलाओं की स्थिति :- सामान्य (लेकिन वैदिक काल की तुलना में खराब)
(Female condition)

* सती प्रथा (Sati system) :- NO

* विधवा पुनर्विवाह (widow Remarriage) :- Yes
Limit
(लेकिन कौटिल्य के अनुसार अगर किसी ने अपनी पत्नी का भोग किया है तो उसका विवाह नहीं होना चाहिए)

* पर्दा प्रथा :- Yes लेकिन बड़े लोगों
अर्थशास्त्र में महिलाओं को पर्दे में रहने के लिए कहा गया है

* नियोग प्रथा (Niyoga system) :- Yes

* बाल विवाह (Child Marriage) :- Yes
  - Boys :- 16
  - Girls :- 12
* बहु विवाह (Polygamy) :- Yes.
* दास प्रथा (Slavery System) :- Yes.
  - कौटिल्य ने 4 प्रकार के दास की चर्चा करते हैं।
  - लेकिन मेगस्थनीज ने दास प्रथा का उल्लेख नहीं किया।

→ वेश्यावृत्ति :- Yes

↳ राज्य वेश्यावृत्ति में निवेश करता था।
यदि कोई वेश्यावृत्ति से मुक्त होना
चाहता है तो उसे 24 गुना देना
पड़ता था।
⇓
अर्थशास्त्र के अनुसार

* मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को 7 जातियों में बांटा था:-

- दार्शनिक
- कृषक
- पशुपालक
- कारीगर
- योद्धा
- निरीक्षक
- मंत्री परिषद